ले चालो बालम जी खाटूजी | By Sunita Goyal

मैं सजधज कर जाऊंगी पिया कर सोलह श्रृंगार
मन्ने ले चालो जी बालम जी खाटू जी इब की बार

आंख्यां में कजरारो काजल होंठा लगाऊं लाली
मेहँदी वाला हाथ रचा कर चाल चलू मतवाली
बाबा भी सजधज कर बैठ्यो भगता संग दरबार
मन्ने ले चालो जी बालम जी खाटू जी इब की बार

बाजारिये को रोट पोट में सिर पे धर के ल्याऊं
लुणो घी और देसी खांड के सागे थाने जिमाउं
घुंघटा से ही करुँगी मैं तो बाबा को दीदार
मन्ने ले चालो जी बालम जी खाटू जी इब की बार

तेरे खाटू की माटी में मैं लोट पे लोट लगाऊं
भूल चूक की माफ़ी मांगू चरणा शीश झुकाऊं
हाथां जोड़ करुँगी मोहित बाबा को आभार
मन्ने ले चालो जी बालम जी खाटू जी इब की बार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-sunita-goyal/